उत्तराखंड में दुनिया का दूसरा सबसे ऊँचा ट्रेक

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री उत्तराखंड की शीतकालीन यात्रा का उद्घाटन करने के लिये **27 फरवरी 2025** को **गंगोत्री मुखबा का दौरा करेंगे।**

- **मुखबा (मुखवा) हरसिल कस्बे में भागीरथी नदी के तट** पर **गंगोत्री तीर्थस्थल के** रास्ते में स्थित एक छोटा सा गाँव है।
  - यह समुद्र तल से **2620 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है।**

मुख्य बिंदु

- **जनकताल ट्रेक की आधारशिला:** प्रधानमंत्री **जनकताल ट्रेक** की आधारशिला रखेंगे, जो दुनिया का **दूसरा सबसे ऊँचा ट्रेकिंग रूट** होगा।
- **पर्यटन पहल: कई साहसिक गतिविधियों की योजना बनाई गई है, जिसमें उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड (UTDB)** के तत्त्वावधान में **जादुंग** तक मोटरबाइक रैली आयोजित करना भी शामिल है।
  - **भारत-तिब्बत सीमा पुलिस द्वारा नीलापानी** से **मुलिंग ला बेस** तक एक ट्रैकिंग अभियान आयोजित किया गया।
  - इससे **पर्यटन को बढ़ावा मिलने** तथा **टिकाऊ पर्यटन प्रथाओं** के माध्यम से क्षेत्र की **आर्थिक वृद्धि में वृद्धि होने की उम्मीद है।**
- **सांस्कृतिक महत्त्व:** प्रधानमंत्री के **मुखवा** स्थित **गंगा मंदिर में पूजा-अर्चना करने की संभावना है।**

जनकताल ट्रेक

- **उत्तराखंड** में स्थित जनकताल **ट्रेक 17,716 फीट की** ऊँचाई तक पहुँचता है, जो इसे **दुनिया का दूसरा सबसे ऊंचा ट्रैकिंग मार्ग बनाता है।**
- ट्रेकर्स को **गढ़वाल हिमालय के लुभावने दृश्य,** अद्वितीय **वनस्पतियाँ शांत हिमनद झीलें** और रास्ते में पारंपरिक गाँवों के माध्यम से स्थानीय संस्कृति की झलक देखने को मिलती है।
- 12 किलोमीटर का **जनकताल ट्रेक** साहसी यात्रियों को **ऊबड़-खाबड़, ऊँचे इलाकों से होते हुए बर्फ से ढकी चोटियों** से घिरी एक एकांत झील तक ले जाता है।
- **पहले सैन्य उपस्थिति** के कारण प्रतिबंधित यह क्षेत्र अब पर्यटकों के लिये खुला है और अपनी अछूती सुंदरता से लोगों को लुभा रहा है।
- उत्तराखंड सरकार घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय साहसिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये **जादुंग, नेलोंग और सोनम घाटी** के साथ इस मार्ग को विकसित करने की योजना बना रही है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/the-second-highest-trek-in-the-world-in-uttarakhand